केन्द्रीय विद्यालय महासमुन्द

प्री द्वितीय समेकित परीक्षा 2014–15

कक्षा-सातवीं विषय :–हिंदी

समय 2:30 घण्टे पूर्णांक – 60

निर्देश – सभी प्रश्न बनाना अनिवार्य है ।
अस्वच्छता पर अंक काटे जायेंगे ।

प्रश्न –1निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर उनसे संबंधित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-[5अंक]

अहिंसा बिना सत्य की खोज असंभव है | अहिंसा और सत्य दोनों ऐसे हैं जैसे सिक्के के दोनों रूप या चिकनी चकती के दो पहलु उसमे किसे उल्टा कहें किसे सीधा? फिर भी अहिंसा को साधना और सत्य को साध्य मानना चाहिए | साधना अपने हाथ की बात है | इससे अहिंसा परम धर्म मानी गयी है | सत्य परमेश्वर हुआ , साधना की चिंता करते रहने पर साध्य के दर्शन किसी दिन कर ही लेंगे | इतना निश्चिय करना, जग जीत लेना है| हमारे मार्ग में चाहे जो संकट आये, बाहरी दृष्टीसे देखने पर हमारी चाहे,

जितनी हार होती दिखाई दे, तो भी हमे विश्वास छोड़कर एक ही मंत्र अपनाना और जपना चाहिए-|सत्य एक ही है, उसी-तरह जैसे वह परमेश्वर एक है| उसके साक्षात्कार का एक ही मार्ग है; एक ही साधन है अहिंसा उसे छोड़ना श्रेयष्कर नहीं है|

1.. सत्य को क्या मानना चाहिए ?

(क)विवेक (ख)अहिंसा (ग)साध्य (घ)बल

2. 'जग जीत लेना' मुहावरे का उचित अर्थ है:?

(क)सफलता प्राप्त कर लेना (ख)असफलता प्राप्त होना (ग)प्रशंसा मिलना (घ)निराश होना

3. अनेक कठिनाइयाँ आने पर भी हमे जो मंत्र जपना चाहिए वह है:?

(क)स्वार्थ का (ख)परमार्थ का (ग)सत्य का (घ)आहिंसा का

4. 'ईश्वर से साक्षात्कार' का साधना है:?

(क)हिंसा (ख)अहिंसा (ग)प्रार्थना (घ)सत्य

(5हमें ईश्वर से यह प्रार्थना करनी चाहिए कि हम;--

[क] सत्य के मार्ग पर चले | [ख] सत्य और अहिंसा के मार्ग पर चले [|ग] किसी तरह अपना काम बना ले | [घ]ईश्वर पर आस्था रखे |

[वसंत से]

प्रश्न - 2निम्नलिखित पठित पद्यांश को पढ़कर उनसे संबंधित प्रश्नों के उत्तर दीजिए?[4]

कण -कण में है व्याप्त वही स्वर |

रोम-रोम गाता है वह ध्वनि,

वही तान गाती रहती है,

कालकूट फण की चिंतामणि

आज देख आया हू -जीवन के

सब राज समझ आया हूँ ,

, भू-विलास मे महानाश के,

पोषक-सूत्र परख आया हूँ|

[क] कण- कण में कौन सा स्वर व्याप्त है ?

[ख]हर व्यक्ति किस चिंता में डूबा हुआ है ?

[ग]कवि को जीवन के कौन से राज समझ में आ जाते है ?

[घ] कवि को महानाश के पोषक सूत्र कहा दिखाई देते है ?

प्रश्न-3सही विकल्प चुनिए :- (5)

[क] मीरा मंगलगीत क्यों गाना चाहती है ?

[अ] श्री कृष्ण के स्वागत में [ब] श्री कृष्ण के विरह में [स] गोकुलवासियो के लिये [द] अपने लिये

[ख] वीर कुवर सिंह का जन्म कब हुआ था ?

[अ] सन १८८२ [ब] सन १७८२ [स] सन १९९२ [द] सन १८५८

[ग] आश्रम में कितनी भूमि की आवश्कता थी ?

[अ] दस एकड़ [ब] तीन एकड़ [स] पांच एकड़ [द] सात एकड़

[घ] घमंड में भर कर कवि कहा खड़े थे?

[अ] आँगन में [ब] कमरे में [स] छत पर [द] घर के बाहर

[ड] राधा किसकी प्रतीक्षा करतीथी ?

[अ] कुब्जा की[ब] नीलकंठ की[स] खरगोश की [द] सभी की

प्रश्न [4]- अतिलघुउत्तरीय प्रश्न [लगभग 25से 30 शब्दों में] [4]अंक

[अ] गांधीजी कौन सा आश्रम स्थापित कर रहे थे ?

[ब] कंचे का सबसे अच्छा खिलाड़ी कौन था ?

[स] मीराबाई किस काल की कवयित्री थी ?

[द] धनराज पिल्ले ने पैसों से कौन सी कार खरीदी ?

प्रश्न [5]लघुउत्तरीय प्रश्न [लगभग30 से 40 शब्दों में][6]अंक

[अ] वृक्ष और सरोवर से हमें क्याशिक्षा मिलती है ?

[ब] कंचे जब जार से निकलकर अप्पू के मन की कल्पना में समा जाते है, तब क्या होता है?

[स] ध्यानचंद को हाँकी का जादूगर क्यों कहा जाता है ?

प्रश्न –6 दीर्घउत्तरीय प्रश्न [लगभग 60 से 70 शब्दों में] [5] अंक

[अ] साप्रदायिक सदभाव मेंवीर कुवर सिह कीगहरी आस्था थी–इस कथन की पुष्टि कीजिए ?

[ब] खानपान की मिश्रित संस्कृति से लेखक का क्या मतलब है ? अपने घर के उदारण देकर व्याख्या करे ?

[बाल महाभारत कथा]

प्रश्न7--अतिलघुउत्तरीय प्रश्न [2]अंक

[क] पांडव किस राजा के यंहा छिपकर रहने लगे ?

[अ] राजा विराट [ब] राजा शान्तनु [स] राजा सुशर्मा [द]मद्रराज

[ख] द्रोणाचार्य को किसने मारा ?

[अ] भीम [ब] नकुल [स] अर्जुन [द] कर्ण

प्रश्न8-लघुउत्तरीय प्रश्न [लगभग 30से 40 शब्दों में] [6]अंक

[अ] कर्ण ने कुंती के सामने क्या प्रण किया ?

[ब] घटोत्कच कौन था? भीम को बेहोश देखकर उसने क्या किया ?

[स] भीष्म शर- शैय्या पर पड़े थे ,तो पानी पिलाने के लिए अर्जुन ने क्या किया ?

[व्याकरण खण्ड]

प्रश्न-9 सही विकल्प चुनिए :--[4]अंक

[क] तुलसीकृत मे कौन सा समास ?

[अ] कर्मधारय समास[ब] द्वद समास [स] तत्पुरूष समास [द] बहुब्रीही समास

[ख] रवीन्द्र में कौन सी संधि है ?

[अ] दीर्घ स्वर संधि [ब] गुण स्वर संधि [स] यण स्वर संधि [द] वृद्धि स्वर संधि

[ग] मानक शुध्द हिंदी रूप है ?

[अ] कवित्री [ब] कवितरी [स] कवयित्री [द] कावित्री

[घ] कागज काला करना मुहावरे का अर्थ है ?

[अ] सब कुछ लिखना [ब]व्यर्थ लिखना [स] कुछ भी नहीं लिखना [द] आधा आधा लिखना

प्रश्न -10 अतिलघुउत्तरीय प्रश्न :--[4]अंक

[अ] इत और इक प्रत्यय से एक एक शब्द बनाइए |

[ब]लाघव विराम चिह्नन का एक उदाहरण दीजिए |

[स] प्रेरक और प्रेरणा शब्दों का वाक्य में प्रयोग कीजिए |

[द] नीति और जिम्मेदारियों शब्दों का वचन बदलिए |

प्रशन 11--अपने मित्र को बड़े भाई के विवाह में शामिल होने हेतु निमत्रण दीजिए |

अथवा

खेल-कूद में सुधार के लिए निवेदन करते हुए अपने विद्यालए के प्राचार्यमहोदय को आवेदन पत्र लिखिए |[5]अंक

प्रश्न 12 किसी एक विषय पर लगभग 100 से 150शब्दों में अनुच्छेद लिखिए |[5]अंक

[अ] प्रिय त्योहार[ब] राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी [स] वन महोत्सव [द] राष्ट्रीय एकता

प्रश्न 12 मुक्त पाठ्य सामाग्री [5]

खेल की दुनिया

उछलते-कूदते हुए हसमुख बालको को जिसने देखा है, उसे पता है कि खेल क्या है| कबड्डी ,मल्युद्ध ,क्रिकेट,फुटबाल,हॉकी, खो-खो टेनिस आदि अनेक प्रकार केखेल है | मनोंरजन तथा व्यायाम साथ-साथ होते है|जिसका मन कहीं पर एकाग्र न होता हो,उसका मन खेलों में पूरी तरह लग जाता है|ख़िलाड़ी अपने आपको भूल जाता है| मानो खेल योग-साधना. का विशेष अंग हो|

खेलने वाला व्यकित कुछ देर केलिए संसार के झझटो से मुक्त हो जाता है |इसलिए उसके स्वास्थ्य में बड़ी उन्नति होती | मन सदा प्रसन्न रहने लगता है| उसका स्वभाव मधुर बन जाता है| उसमे फुर्ती आ जाती है | इसीलिए सरकारी नौकरियो में खिलाडियो को प्राथमिकता दी जाती है | कई अच्छे खिलाड़ी तो केवल खिलाड़ीपन के नाते ही नौकरियाँ पा जाते है |

खेलना बच्चों को सबसे प्रिय लगता है | कितनी ही भूख लगी हो, कितना ही आवश्यक कार्य हो,बालक खेल को कभी नहीं छोड़ेगा |खेल में लींन बालक को माता पिता पुकारते थक जाते है,पर बालक घर आने का नहीं नाम लेता |

कई विद्याथ्री खेल को पढाई में बाधक समझते है, परन्तु यह भूलहै |खेल से बिल्कुल विमुख रहने वाले एवं किताबी-कीड़ा विद्याथ्री अपने स्वास्थ्य से हाथ धो बैठते है,किंतु हर समय खेलों में व्यस्तरहना भी अच्छा नहीं है|

जो लोग खेल की महत्ता को समझते है और नियमपूर्वक खेलते है वे पुरुषार्थी होते है | वे दिन -भर काम करते हुए थकते नहीं |उनकी आयु भी अधिक होती है ,क्योंकि वे प्रतिदिन खेल-कूदकर ताजे हो जाते है |यूरोप के लोग खेलना आवश्यक समझकर प्रतिदिन खेलते है | यहीं कारण है कि शारीरिक स्वास्थ्य से वे अपेक्षाकृत अधिक स्वस्थ और उन्नत है | कभी भारतवासी भी बड़े माने हुआ करते थे,पर एक समय ऐसा आया ,जब वे खेलना केवल बच्चों की जरूरत समझकर स्वयं दिन-रात अपने कामों में लगे रहते है |इसलिए खेल के क्षेत्र में उनकी अवनति होती गई | पर अब वे इस दिशा में फिर से सचेत हुए है और खेलों में पूरा योग देने लगे क्रिकेट कुश्ती एथलेटिक्स कबड्डी हांकी आदि इनमें भारत के खिलाडी संसार के अच्छे खिलाडी माने जाते है और अन्य खेलों में भी प्रगति कर रहे है |

खेलों का बड़ा लाभ यह है कि लोगो में उदारता सहनशीलता विनम्रता आदि गुणों का विकास होता है खेलों से मनुष्य का ओछापन और सकुचित वृति नष्ट हो जाती है और स्वास्थ्य अच्छा रहता है

खेल स्वास्थ्य के लिए वरदान है | महाकवि कालिदास ने कहा है -

''शरीरमद्य खलु धर्मसाधनम्''

यदि स्वास्थ्य अच्छा होगा ,तभी हम सभी कार्यो को सम्पन्न करने में समर्थ हो सकेगे | अत; हम सबको अवश्य खेलना चाहिए |कहा भी गया है -

''स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मस्तिष्क निवास करता है ''

निम्नलिखित अवतरण को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए |

[1] खेल हमारे जीवन के लिए क्यों जरूरी है ?[2]

[2] शारीरिक विकासके लिए खेल की उपयोगिता सिद्द कीजिए [3]

..... *********.....